

कक्षा : आठ गतिविधि

परिचय

पाठ्य पुस्तक	वसंत भाग-तीन
पाठ	यह सबसे कठिन समय नहीं
शीर्षक	दैनन्दिनी (डायरी) लेखन
समय	एक कालाँश
प्रकार	व्यक्तिगत
विद्यार्थी संख्या	एक
कौशल	अनुभव लेखन
आवश्यक सामग्री	कागज़, कलम, रंगीन कलम, कार्यपत्र ।

चरण:-

1 शैक्षिक अधिगम:-

- साहित्य की दैनन्दिनी (डायरी) लेखन विधा से परिचित हो सकेंगे ।
- अपने जीवन की किसी एक घटना को डायरी रूप में कलमबद्ध कर सकेंगे ।
- अनुभव/विचार अभिव्यक्ति में सक्षम हो सकेंगे ।

2 अध्यापिका गतिविधि :-

- अध्यापिका विद्यार्थियों को दैनन्दिनी (डायरी) लेखन विधा से परिचित कराएंगी ।
- अपने जीवन में आए उन ऐसे पलों को डायरी के रूप में लिखने को अध्यापिका कहेंगी जब वे बहुत हताश हो गए हों और उनके किसी परिवारजन, मित्र अथवा शुभचिंतक ने आकर उन में पुनः आशा की किरण का संचार किया हो ।
- दैनन्दिनी (डायरी) लेखन क्रियाविधि के निर्देश :-
 1. भाषा सरल एवं प्रभावशाली होनी चाहिए ।
 2. डायरी का एक पृष्ठ 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।
 3. अंत में सभी पृष्ठों को एकत्रित कर डायरी के रूप में संकलन करें ।
 4. डायरी को एक आकर्षक से शीर्षक से सुसज्जित करें ।
- मूल्यांकन हेतु डायरी अध्यापिका को देंगे ।
- गतिविधि के पश्चात विद्यार्थियों को कार्यपत्र करने के लिए दिया जाएगा ।

3 शिक्षार्थी गतिविधि :-

- सभी शिक्षार्थी दैनन्दिनी (डायरी) लेखन विधा से परिचित हो अपने-अपने जीवन में आए उन ऐसे पलों को डायरी के रूप में लिखेंगे जब वह बहुत हताश हो गए और उनके किसी परिवारजन, मित्र अथवा शुभचिंतक ने आकर उन में पुनः आशा की किरण का संचार किया हो ।
- डायरी की भाषा सरल एवं प्रभावशाली तथा शब्दसीमा 100 शब्दों से अधिक नहीं होगी ।
- अंत में सभी पृष्ठों को एकत्रित कर डायरी के रूप में संकलित कर एक आकर्षक से शीर्षक से सुसज्जित कर मूल्यांकन हेतु डायरी अध्यापिका को देंगे ।
- विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे ।

4. मूल्यांकन के मानदण्ड :-

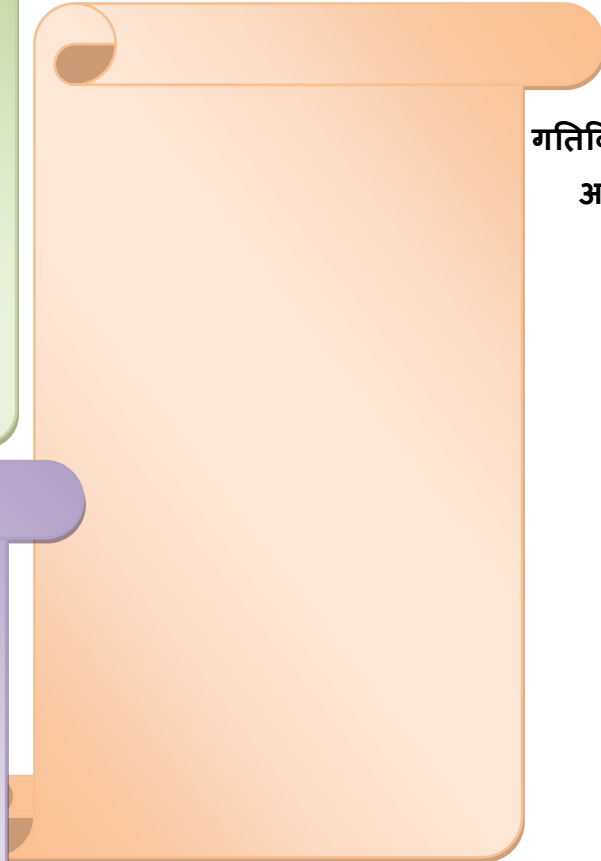
क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

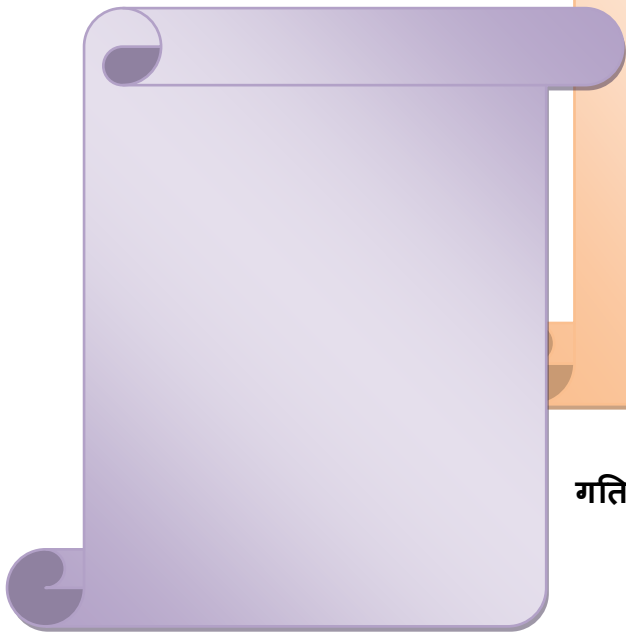
पाठ : यह सबसे कठिन समय नहीं
विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : डायरी लेखन
अनुक्रमांक :

गतिविधि से पूर्व साहित्यिक विधा डायरी लेखन का ज्ञान :



गतिविधि करते हुए
अनुभव :



गतिविधि से सीखा :

डायरी लेखन के पश्चात
भावों में अंतर

